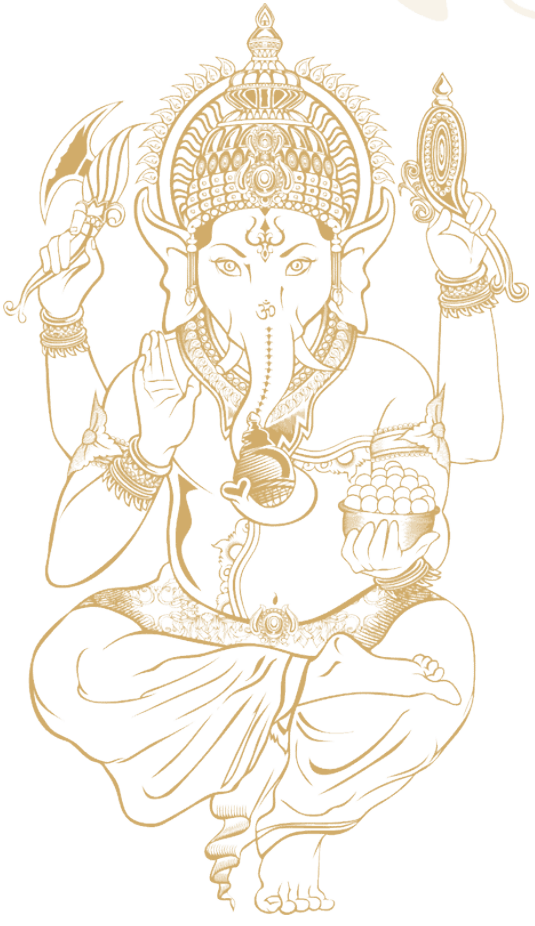

Deepak

16 Jan 1994

12:06 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121806903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/01/1994**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:06:00 घंटे**
इष्ट	11:41:51 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:39:28 घंटे
वेलान्तर	-00:09:40 घंटे
साम्पातिक काल	19:21:21 घंटे
सूर्योदय	07:25:15 घंटे
सूर्यास्त	17:47:27 घंटे
दिनमान	10:22:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:07:37 मकर
लग्न के अंश	05:25:28 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वरियान
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	05:25:28	492:56:38	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	---
सूर्य			मक	02:07:37	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	23:02:56	12:14:03	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	धनु	27:00:24	00:46:18	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
बुध		अ	मक	10:01:47	01:41:31	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			तुला	18:05:48	00:07:19	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	01:55:59	01:15:27	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			कुंभ	04:47:20	00:06:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	07:35:17	00:07:41	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	07:35:17	00:07:41	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	सम राशि
हर्ष			धनु	28:42:13	00:03:33	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	27:15:36	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	03:43:43	00:01:29	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			धनु	25:00:16	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:42

लग्न-चलित

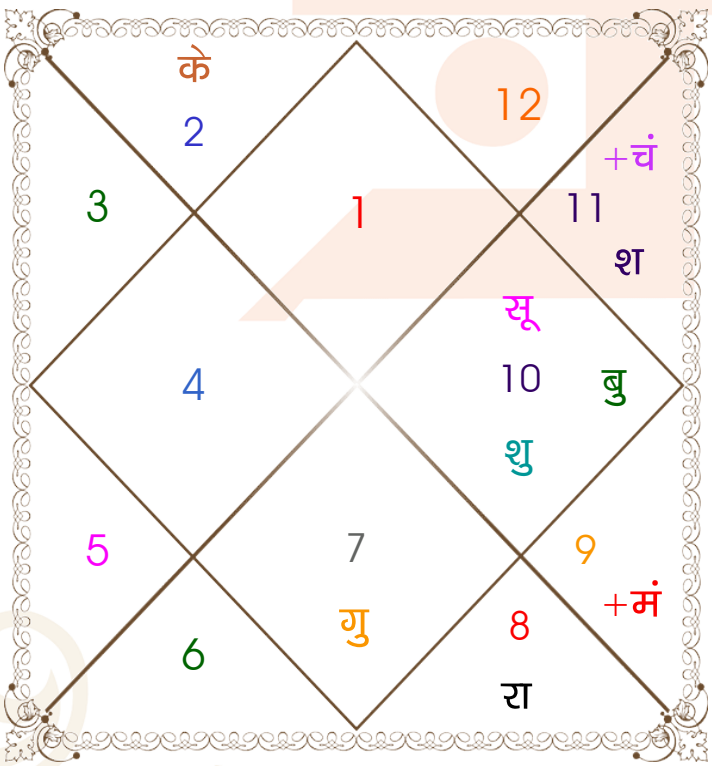

चन्द्र कुंडली

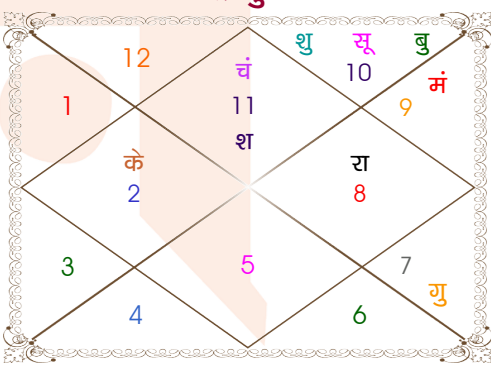

नवमांश कुंडली

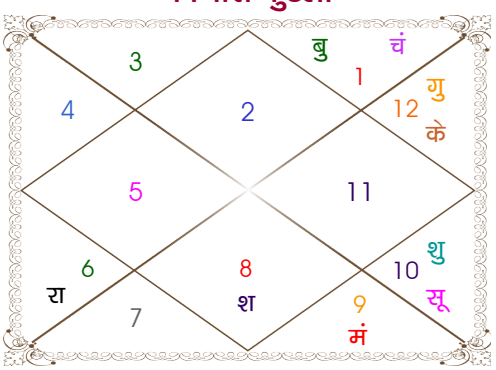

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 4 मास 2 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/01/1994		21/05/2006		20/05/2025		21/05/2042		20/05/2049	
21/05/2006		20/05/2025		21/05/2042		20/05/2049		20/05/2069	
	16/01/1994	शनि	24/05/2009	बुध	17/10/2027	केतु	17/10/2042	शुक्र	19/09/2052
शनि	19/01/1995	बुध	01/02/2012	केतु	13/10/2028	शुक्र	17/12/2043	सूर्य	19/09/2053
बुध	26/04/1997	केतु	11/03/2013	शुक्र	14/08/2031	सूर्य	23/04/2044	चंद्र	21/05/2055
केतु	02/04/1998	शुक्र	11/05/2016	सूर्य	20/06/2032	चंद्र	22/11/2044	मंगल	20/07/2056
शुक्र	01/12/2000	सूर्य	23/04/2017	चंद्र	19/11/2033	मंगल	20/04/2045	राहु	21/07/2059
सूर्य	19/09/2001	चंद्र	22/11/2018	मंगल	16/11/2034	राहु	09/05/2046	गुरु	21/03/2062
चंद्र	19/01/2003	मंगल	01/01/2020	राहु	05/06/2037	गुरु	14/04/2047	शनि	20/05/2065
मंगल	26/12/2003	राहु	07/11/2022	गुरु	11/09/2039	शनि	23/05/2048	बुध	20/03/2068
राहु	21/05/2006	गुरु	20/05/2025	शनि	21/05/2042	बुध	20/05/2049	केतु	20/05/2069

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/05/2069		21/05/2075		20/05/2085		20/05/2092		22/05/2110	
21/05/2075		20/05/2085		20/05/2092		22/05/2110		00/00/0000	
सूर्य	07/09/2069	चंद्र	20/03/2076	मंगल	17/10/2085	राहु	31/01/2095	गुरु	09/07/2112
चंद्र	09/03/2070	मंगल	19/10/2076	राहु	04/11/2086	गुरु	26/06/2097	शनि	17/01/2114
मंगल	15/07/2070	राहु	20/04/2078	गुरु	11/10/2087	शनि	03/05/2100		00/00/0000
राहु	08/06/2071	गुरु	20/08/2079	शनि	19/11/2088	बुध	20/11/2102		00/00/0000
गुरु	26/03/2072	शनि	21/03/2081	बुध	16/11/2089	केतु	09/12/2103		00/00/0000
शनि	08/03/2073	बुध	20/08/2082	केतु	14/04/2090	शुक्र	09/12/2106		00/00/0000
बुध	13/01/2074	केतु	21/03/2083	शुक्र	14/06/2091	सूर्य	02/11/2107		00/00/0000
केतु	21/05/2074	शुक्र	19/11/2084	सूर्य	20/10/2091	चंद्र	03/05/2109		00/00/0000
शुक्र	21/05/2075	सूर्य	20/05/2085	चंद्र	20/05/2092	मंगल	22/05/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 4 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।